

जागरूक टाइम्स

jagrutimes.co.in

► जयपुर, संवित, 26 जनवरी, 2025 ► वर्ष 16 ► अंक 268 ► पृष्ठ 12 ► मूल्य 1.50 रु.

न्यूज ब्रीफ

मणिपुर में 314 किलो नशीली दबाईयां नष्ट की

इंफाल। मणिपुर में राज्य सरकार ने शनिवार को 314 किलोग्राम नशीले पदार्थ को नष्ट किया। बीरन सिंह ने कहा कि उनकी सरकार ने प्रधानमंत्री के नशा मुक्त भारत अभियान के तहत 2018 में नशीले पदार्थों के विशुद्ध युद्ध की शुरुआत की है। सरकार हजारों एकड़ अफीम के बागानों को नष्ट कर रही है।

इंटरनेशनल बॉर्डर पर इंग्रेस जब्त

अमृतसर। जंगल के अमृतसर में इंटरनेशनल बॉर्डर पर जैन बॉर्डर सिक्योरिटी फोर्स ने एक और 559 ग्राम हेरोइन जब्त किया। बीएसएफ ने बताया कि दोपहर करीब 1.40 बजे ककड़ गांव से संदेरे एक खेत से 01 डीजीआई एयर 3 एस ड्रेन और हेरोइन बरादर की।

चीन की बढ़ती सैन्य ताकत पर चर्चा

इस दौरान भारत और इंडोनेशिया के द्विपक्षीय संबंधों के विभिन्न पहलुओं पर व्यापक चर्चा की। बातचीत में दोनों देशों ने समग्र द्विपक्षीय संबंधों को नई गति देने, खासकर संघीय ताकत पर बढ़ती चीन की बढ़ती सैन्य ताकत पर बढ़ती वैश्विक चिंताओं के बीच एक व्यापक चर्चा आपूर्ति श्रृंखला के क्षेत्रों में संयुक्त रूप से काम करने पर सहमति है। इस दौरान दोनों पक्षों की बातचीत को बढ़ावा देने के लिए व्यापर क्षेत्र में विविधता लाने बाजार पहुंच की अवश्यकता पर चर्चा की जाए। वार्ता के बाद पीएम मोदी ने

पीएम नरेन्द्र मोदी ने राष्ट्रपति प्रबोबो सुवियांतो से की बात



पीएम नरेन्द्र मोदी बोले, भारत-इंडोनेशिया के बीच बढ़े रक्षा-व्यापार संबंध



इंडोनेशिया को 10 देशों के प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि भारत और इंडोनेशिया रक्षा विनियोग और आर्थिक वृद्धिलाला पर संयुक्त रूप से काम करने पर सहमत हुए हैं। भारत और इंडोनेशिया के बीच समुद्री सुरक्षा क्षेत्रों में हुए समझौते से अपराध रोकथाम, योजना एवं व्यापक तथा क्षमता नियन्त्रण में सहयोग और मजबूत होगा। इस दौरान दोनों पक्षों की हम इस बात पर सहमत हैं कि विविधता लाने बाजार पहुंच की अवश्यकता पर चर्चा की जाए।

समुद्री सुरक्षा, साइबर सुरक्षा पर जोर

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने बताया कि राष्ट्रपति प्रबोबो सुवियांतो के साथ फिनटेक, आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस, 'इंटरनेट ऑफ थिंग्स' और डिजिटल पल्लिक इंफ्रास्ट्रक्चर जैसे क्षेत्रों में सहयोग को मजबूत करने का फैसला किया है। उन्होंने यह भी कहा कि दोनों पक्षों ने समुद्री सुरक्षा, साइबर सुरक्षा, आकाशवाद नियोग और कटुपंथ से सुक्ष्म क्षेत्र में सहयोग पर जोर दिया। वार्ता में भारत ने इंडोनेशिया की ब्रिक्स सदस्यता का भी स्वागत किया। इंडोनेशिया के राष्ट्रपति प्रबोबो सुवियांतो ने बताचीत को सार्थक बतारे हुए कहा कि दोनों पक्ष कई प्रमुख क्षेत्रों में सहयोग बढ़ाने पर सहमत हुए हैं।



गणतंत्र दिवस पर उदयपुर में एट होम आयोजित



जागरूक टाइम्स संवाददाता

जयपुर। राज्याल हरिभाऊ बागडे और मुख्यमंत्री भजन लाल शर्मा ने उदयपुर में गणतंत्र दिवस समारोह की पूर्व संध्या पर याहेलियां की बाढ़ी में आयोजित राज्य स्तरीय समारोह में शनिवार को 'एट होम' कार्यक्रम में भाग लिया। इस दौरान उन्होंने कला, साहित्य और विभिन्न अन्य क्षेत्रों में उल्लेखनीय कार्य करने वाली प्रतिभाओं का सम्मान भी किया।

राष्ट्रपति पुलिस पदक से सम्मानित होंगे आईजी सत्येन्द्र सिंह



राजस्थान पुलिस के 16 अधिकारियों को पुलिस पदक

लिए पुलिस पदक से सम्मानित किया जाएगा। इनमें महानिरीक्षक पुलिस जोधपुर रेंज विकास कुमार, अतिरिक्त पुलिस अधिकारी सीआईडी एसएसवी यूनिट राजसमन्द जौन उदयपुर शाला और पुलिस उप निरीक्षक पुलिस आयुकालय जयपुर पुरुषोत्तम लाल शर्मा को भी सम्मानित किया जाएगा। सहायक उप निरीक्षक रिजर्व पुलिस लाइन आयुकालय जोधपुर शायम लाल, सहायक उप निरीक्षक सिरी कंट्रोल रूम श्रीगंगानगर स्वर्ण सिंह, हेड कंस्टेबल 125 छठी बटालियन आरएसवी धौलपुर राजवीर सिंह, हेड कंस्टेबल 226 आरएसवी जयपुर सुनेंद्र सिंह, हेड कंस्टेबल सीआईडी एसएसवी जौन श्रीगंगानगर चन्द्र कुमार, कंस्टेबल 653 प्रथम बटालियन आरएसवी जोधपुर रेवन्ता राम और कंस्टेबल 1127 रिजर्व पुलिस लाइन चूरू सुरेश कुमार शर्मा को भी पुलिस पदक के लिए चुना गया है।

डीजीपी युआर साहू के सुताविक, राष्ट्रपति पुलिस पदक के लिए महानिरीक्षक पुलिस सर्वेंद्र सिंह का चयन विशेष सेवा के लिए किया गया है। प्रदेश के 16 अन्य पुलिस अधिकारियों और कर्मचारियों को व्यापक चर्चा की जाएगी।

डीजीपी युआर साहू, पुलिस उपायीक्षक जयपुर

प्रदेश में सक्रिय होगा जनवरी का चौथा पश्चिमी विक्षेप

चार दिन तेज सर्दी का अलर्ट, अगले सप्ताह बदलेगा मौसम

जयपुर, उदयपुर सहित कई जिलों में जमीं ओस की बूंदें

जागरूक टाइम्स संवाददाता

जयपुर। राजस्थान में तेज सर्दी का दौर अगले चार दिन जारी रहेगा। आपूर्ति तापमान में एक से दो डिग्री सेल्सियस तक गिरावट होने की संभावना है। आसमान बिल्कुल साफ रहेगा, जिससे उत्तरी हवाओं का असर रहेगा। कड़के की सर्दी से लोगों को 28 जनवरी से राहत मिलने की संभावना है। शनिवार सुबह जयपुर, उदयपुर, चूरू समेत कई जिलों में पाला पड़ने जैसी स्थिति रही। खासकर ग्रामीण इरिया में और कर्मचारियों को उनकी सराहनीय सेवाओं के बारे में जम गई।

पश्चिम से आने वाली हवा पक्षिवर होगी और तापमान में बढ़ोत्तरी होने लगेगी। मौसम विशेषज्ञों का कहना है कि कड़के की सर्दी का ये अधिकारी सासाह रह सकता है। इसके बाद सर्दी धीरे-धीरे कम होने लगेगी। पछले 24 घंटे का मौसम देखें तो जयपुर,

29 जनवरी से सक्रिय होगा पश्चिमी विक्षेप

राजस्थान में 29 जनवरी से जया पश्चिमी विक्षेप बनने की संभावना है। जिसकी जया से तापमान 2-4 डिग्री सेल्सियस की विक्षेप की प्रवल संभावना है। फिलहाल प्रदेश में अधिकारी तापमान 25 डिग्री के आसपास बढ़ा दी गई है, जबकि व्यावहारिक तापमान 10 डिग्री के करीब देखने की भिन्न रही है।

अगले चार दिन रहेगी सर्दी, मौसम विज्ञान केन्द्र जयपुर के मुताबिक, राजस्थान में अगले 4 दिन आसमान बिल्कुल साफ रहेगा और व्यावहारिक तापमान में 2 डिग्री सेल्सियस तक बदलेगा।

गणतंत्र दिवस की पूर्व संध्या पर राष्ट्रपति का संबोधन

हमारा संविधान जीवंत दस्तावेज यह हमारी सामूहिक अस्मिता का मूल आधार

नई दिल्ली। 76वें गणतंत्र दिवस की पूर्व संध्या पर राष्ट्रपति द्वापदी मुर्म ने राष्ट्र के नाम संविधान दिया। अपनी स्पीच की शुरुआत उन्होंने देश को बधाइ देकर की। उन्होंने कहा कि हमारा संविधान एक जीवंत दस्तावेज है, जो हमारी सामूहिक अस्मिता का मूल आधार है। किसी राष्ट्र के इतिहास में 75 साल का इतिहास पलक झपकते जैसा होता है। भारत के बारे में ऐसा नहीं कहा जा सकता है। इस काल खंड में भारत की चेतना जारी। इस ऐतिहासिक अवसर पर आप सबको संबोधित करते हुए मुझे बहुत खुशी हो रही है। द्वौपदी मुर्म देश की 15वीं राष्ट्रपति है।

जयपुर, उदयपुर सहित कई जिलों में जमीं ओस की बूंदें

76 वें गणतंत्र दिवस

26 जनवरी के पावन पर्व पर समस्त प्रदेशवासियों की

हार्दिक शुभकामनाएं

भारतीय संविधान देश की वैविध्यपूर्ण संस्कृतियों को एक सूत्र में मजबूती से जोड़ते हुए नागरिकों के अधिकारों को संरक्षित करता है।

आइए, इस गणतंत्र दिवस पर कर्तव्य पालन का संकल्प लेकर लोकतांत्रिक मूल्यों की नींव को और सुदृढ़ बनाएं। साथ ही देश और प्रदेश की विकास यात्रा के पथगामी बनें।

भजनलाल शर्मा
मुख्यमंत्री, राजस्थान

सूचना एवं जनसम्पर्क विभाग, राजस्थान

गणतंत्र दिवस

की हार्दिक शुभकामनाएं

जागरूक टाइम्स

जयपुर, रविवार, 26 जनवरी, 2025

हर साल 26 जनवरी
को ही क्यों
मनाया जाता
है गणतंत्र दिवस

देश इस साल अपना 76वां
गणतंत्र दिवस मना रहा है। 26
जनवरी का दिन हर भारतीय के
लिए बेहद खास होता है। यह दिन
भारतीय नागरिकों की लोकान्त्रिक
रूप से अपनी सरकार चुनने की
शक्ति को दर्शाता है। भारत के
इतिहास में यह दिन कई तरह से
महत्वपूर्ण है।

यही वजह है कि इस दिन को पूरे
देश में हवाओंका और उत्साह के साथ
मनाया जाता है। इस राष्ट्रीय त्योहार की अपनी अलग
खासियत है, जिसमें चलते लोग इसे धूमधाम से सेलिब्रेट
करते हैं। लेकिन क्या आप जानते हैं कि भारत में गणतंत्र
दिवस 26 जनवरी को ही क्यों मनाया जाता है। अगर आपको मन में भी यह सबल उठ रहा है, तो आज हम
आपको बताएंगे गणतंत्र दिवस के इतिहास और
इसके महत्व के बारे में।

गणतंत्र दिवस का इतिहास

दरअसल, हर साल 26 जनवरी को गणतंत्र दिवस इसलिए
मनाया जाता है, क्योंकि इसी दिन पूरे देश में संविधान
लागू किया गया है। 26 जनवरी, 1950 को संविधान लागू
होने के साथ ही भारत को पूर्ण गणराज्य घोषित किया गया
था। यही वजह है कि हर साल इस खास दिन की याद में
26 जनवरी को गणतंत्र दिवस मनाया जाता है। साल 1947
में भारत को मिली आजादी के बाद इसे लोकतांत्रिक बनाने
के मकसद से देश को संविधान बनाना शुरू किया गया। 2
साल 11 महीने और 18 दिन में बनकर तैयार हुए भारत के
संविधान 26 नवंबर, 1949 में देश की संविधान सभा
ने स्वीकार किया। इसके बाद अगले ही साल 26 जनवरी, 1950 को पूरे देश में यह संविधान लागू किया गया था।

26 जनवरी का महत्व

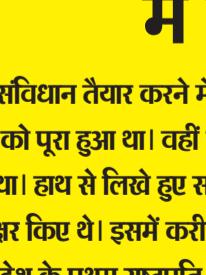
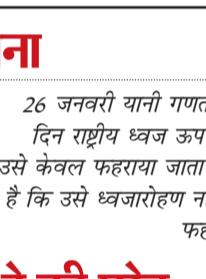
26 नवंबर को स्वीकार किए गए भारत के संविधान को
लागू करने के लिए 26 जनवरी का दिन ही क्यों चुना
गया, यह सबल लगभग हर भारतीय के मन में आता
होगा। संविधान लागू करने के लिए इस तरीख को चुनने
का भी एक खास मकसद था। दरअसल, 26 जनवरी 1950 को अंग्रेजों की गुलामी से भारत को पूर्ण स्वतंत्र घोषित किया था। ऐसे में पूर्ण स्वराज का प्रस्ताव लागू होने की इतिहास के महत्व को ध्यान में
रखते हुए संविधान लागू करने के लिए 26 जनवरी का दिन चुना गया था। 1950 में इसी दिन संविधान लागू
करने के साथ ही देश को पूर्ण गणतंत्र घोषित किया
गया और तब से लेकर अब तक हर साल 26
जनवरी को गणतंत्र दिवस मनाया जाता है।

दुनिया का सबसे बड़ा लिखित संविधान

आजादी के साथ ही देश के लिए एक संविधान की
जरूरत भी हमसूचा हुई। ऐसे में इसे बनाने के लिए एक
संविधान सभा का गठन हुआ था। इस सभा ने 9 दिसंबर,
1946 से संविधान बनाने का काम शुरू किया। भारत की इस
संविधान सभा के अध्यक्ष डॉ. राजेन्द्र प्रसाद थे। जबकि
संविधान की ड्राफ्टिंग समिति के अध्यक्ष
डॉ. भीमसंग अंबेडकर थे। डॉ. अंबेडकर ने
भारत के संविधान को बनाने में एक अहम
भूमिका निभाई थी, जिसकी वजह से उन्हें संविधान निर्माता भी कहा जाता
है। भारत का संविधान दुनिया का सबसे बड़ा
लिखित संविधान है, जिसे बनाने में पूरे 2 साल, 11
माह, 18 दिन लगे थे। इसके बाद 26 नवंबर, 1949 को संविधान सभा ने
अध्यक्ष डॉ. राजेन्द्र प्रसाद को देश का संविधान सौंपा था। यही वजह है कि हर साल 26 नवंबर को संविधान दिवस के रूप में मनाया जाता है।

गणतंत्र दिवस के परेड में निकलने
वाली झाँकियों का
चयन रक्षा मंत्रालय
की एक कमिटी
द्वारा किया जाता है।
हर साल राज्यों और
केंद्रशासित प्रदेशों
से झाँकियों के लिए
सुझाव मांगे जाते हैं।
उसके बाद जब सभी
राज्य अपने सुझाव
उन्हें भेजते हैं तो
कमिटी उन पर चर्चा
करती है। उसके बाद
ही किसी भी राज्य की झाँकियों का
चयन होता है।

मुख्य अतिथि: भारत के पहले गणतंत्र दिवस के मुख्य अतिथि
इंडोनेशिया के राष्ट्रपति सुकर्णो थे।
1955 से गणतंत्र दिवस समारोह राजपथ पर: 1955 से
गणतंत्र दिवस समारोह राजपथ पर होने लग गया और यहां
सेना परेड करने लग गई।
21 तोपों की सलामी: गणतंत्र दिवस
के मौके पर राजपथ पर तिरंगा
फहराया जाता है। फिर राष्ट्र गान गाया
जाता है और 21 तोपों की सलामी
होती है।
बहादुरी पुरस्कार: 1957 में
सरकार ने बच्चों के लिए राष्ट्रीय
बहादुरी पुरस्कार शुरू किया,
जो कि 16 साल से कम उम्र के
बच्चों को अलग-अलग क्षेत्र में
बहादुरी के लिए गणतंत्र दिवस
पर दिया जाता है।
सबसे बड़ा लिखित संविधान:
1950 अनुच्छेदों और 8
अनुसूचियों के साथ
भारतीय संविधान दुनिया
में सबसे बड़ा लिखित
संविधान है।



कैसे चुना
जाता है
मुख्य अतिथि

मुख्य अतिथि किसे बनाना चाहिए, इसको
लेकर विदेश मंत्रालय कई बातों पर काफी
सोच विचार करता है। इसमें सबसे पहले भारत
और उस देश के संबंधों को ध्यान में रखा
जाता है और ये देखा जाता है कि उस देश के
साथ हमारे देश की राजनीति, सेना और
अर्थव्यवस्था की क्या और कैसे काम करती है। इस बात पर भी विचार किया जाता है कि
कहाँ आमंत्रित अतिथि को बुलाने से किसी
अन्य देश से संबंध बढ़े तो खाबल नहीं होंगे
इन सभी पहलोंमें पर सोच विचार करने के
बाद विदेश मंत्रालय मुख्य अतिथि के नाम पर
अपनी मोहर लगाता है। इसके बाद इस मामले
में प्रधानमंत्री और राष्ट्रपति को मंजूरी ली जाती
है। मंजूरी मिल के बाद देश के राजदूत मुख्य
अतिथि की उपलब्धता के बारे में पता लगाने
की कोशिश की जाती है। क्योंकि देश के
प्रायोगिक कार्यक्रम शेषूल होता है। आम बात
है कि वजह है कि विदेश मंत्रालय की ओर
से संभावित मुख्य अतिथि के लिए एक टिस्ट
तैयार की जाती है, जिसमें कई ऑफिसर रहते हैं।

मुख्य अतिथि की उपलब्धता का पता लगाने के
बाद भारत और आमंत्रित मुख्य अतिथि के देश
के बीच आधिकारिक रूप से बातें होती हैं।
और सब कुछ तय होने के बाद मुख्य अतिथि
के नाम पर मोहर लगती है। गणतंत्र दिवस पर
किसे मुख्य अतिथि के आमंत्रण और उनके
स्वागत-सत्कार की प्रक्रिया की जाती है।
आगे पर रहने और पूरी तरह से
विशेष कार्यक्रमों की तैयारी शुरू हो जाती है।

कैसे होता है
मुख्य अतिथि का
सत्कार

भारत में गणतंत्र दिवस के मौके
पर आए मुख्य अतिथि का विशेष
स्वागत-सत्कार की जाती है। मुख्य
अतिथि कई विशेष कार्यक्रमों में सबसे
आगे रहते हैं। उन्हें भारत के
राष्ट्रपति के समान 'गार्ड ऑफ
ऑफिसर' दिया जाता है। दोपहर
में मुख्य अतिथि के लिए प्रधानमंत्री द्वारा
भोजन का आयोजन किया जाता है। शाम को राष्ट्रपति उनके
लिए विशेष स्वागत समारोह आयोजित
करते हैं।

संविधान कितने दिन में हुआ तैयार

पूरा संविधान तैयार करने में 2 वर्ष, 11 माह 18 दिन लगे थे। यह 26 नवंबर,
1949 को पूरा हुआ था। वहीं ऐसे पूरे भारत में 26 जनवरी 1950 को लागू किया
गया था। हाथ से लिखे हुए संविधान पर 24 जनवरी 1950 में 284 सदस्यों ने
हस्ताक्षर किया था। इसमें करीब 15 महिलाएं भी शामिल थीं। 26 जनवरी 1950
को देश के प्रथम राष्ट्रपति डॉ. राजेन्द्र प्रसाद ने 21 तोपों की सलामी के साथ
ध्यारोहण कर भारत को पूर्ण गणतंत्र घोषित किया। यह ऐतिहासिक
कार्यों में गिना जाने वाला समय था। इसके बाद से हर वर्ष इस
दिन को गणतंत्र दिवस के रूप में मनाया जाता है तथा
इस दिन देशभर में राष्ट्रीय अवकाश रहता है।

तेरह नवमतदाताओं को वितरित किए गए

उत्साह से मनाया राष्ट्रीय मतदाता दिवस, 42 कार्मिक सम्मानित



जागरूक टाइम्स संवाददाता

पाली। जिलेभर में 15वां राष्ट्रीय मतदाता दिवस शनिवार को उत्साह के साथ मनाया गया। जिला स्तरीय कार्य में जिला परिषद राष्ट्राधार में आयोजित किया गया। जिसमें जिला विरचित अधिकारी एवं लेपन मंत्री द्वारा 42 कार्मिकों को प्रशंसित पत्र व शीलन प्रदान

कर सम्मानित किया गया। साथ ही 18 वर्ष आयु पूर्ण करने वाले 13 बव मतदाताओं को इडीक कार्ड वितरित किए। जिला विरचित अधिकारी एवं कलवटर

एलेक्स मंत्री ने राष्ट्रीय मतदाता दिवस पर कार्मिकों को सम्मान में पूर्ण राष्ट्रीय रक्षणे हुए लोकतात्रिक परम्पराओं की मर्यादा को बढ़ावा देखते तथा स्वतंत्र, निष्पक्ष एवं शान्तिपूर्ण विचारों के लिए ध्यान दिलाई।

इस अवसर पर शतांशु मतदाता युक्तिलाल को जिला कलवटर एवं ट्राईटेंड गार्डीनिंग असार्वाद को तहसीलदार विरचित रेखांदीनी ने माला पहनाकर सम्मानित किया। इस दौरान जिला कलवटर ने प्रथम मतदाताओं को इडीक कार्ड का वितरण किया। जिला कलवटर ने कार्मिकों को कहा कि जल्दी ही ढेश एक

अख्त से अधिक मतदाता बनाना देख बनने जा रहा है। जिला विरचित अधिकारी एवं कलवटर

सूची संस्थान, नामकरण एवं पुरोक्षण कार्य में आदि पर प्रकाश डाना चौथी वील अधिकारी एवं मुख्य कार्यकारी अधिकारी मुकेश चौधरी द्वारा चौथी गतिशीलियों पर विस्तृत जालकारी प्रदान की। इस दौरान नव मतदाताओं ने मतदान के क्षेत्र में अपना नज़रिया बताता।



सांडेराव। कस्बे में पत्रकार महावीर मेवाड़ा की अध्यक्षता में राष्ट्रीय मतदाता दिवस मनाया गया। मेवाड़ा ने कहा कि मजबूत लोकतंत्र के लिए हाएं वोट जरूरी है। राष्ट्रीय मतदाता दिवस हर साल 25 जनवरी को मनाया जाता है। जो भारतीय लोकतंत्र के इतिहास में एक महत्वपूर्ण दिन है। यह दिन चुनाव आयोग की स्थापना की वर्षांठ के रूप में मनाया जाता है। जिसकी स्थापना 25 जनवरी 1950 को हुई थी। इस काली का उद्देश्य मतदाताओं को जागरूक करना और उन्हें मतदान प्रयोग में सांस्कृतिक विद्या ले लेने के लिए प्रेरित करना है। यह दिन चुनाव आयोग की विधायक विधायकों के रूप में मनाया जाता है। जिसकी स्थापना 25 जनवरी 1950 को हुई थी। इस दौरान प्रधानाचार्य वर्षीय लोहार, बीएलओ प्रभारी सेताराम, मोहनलाल, अरोक्त मीणा, मुकेशकुमार, नितेश बोराणा, महेंद्रसिंह मोण्डू और दिनेशकुमार जोगी ने जिसमें अपना मतदान के क्षेत्र में अपना नज़रिया बताता।

ये कार्मिक हुए सम्मानित

गौड़ बीएलओ अध्यापक 116-जैतराण, ओमप्रकाश बीएलओ अध्यापक 116-जैतराण, मो. सुतनान खान बीएलओ अध्यापक 117-सोजत, खेतराम बीएलओ अध्यापक 117-सोजत, सुरेशकुमार बीएलओ अध्यापक 118-पाली, चिमानायम बीएलओ अध्यापक 118-पाली, भूमर, बीएलओ अध्यापक 119-माज़, भंवरसिंह बीएलओ पंचायत अध्यापक 119-माज़, कमरसा परिहार बीएलओ अध्यापक 120-बाली, बालुताल सेल बीएलओ अध्यापक 120-बाली, छानलाल बीएलओ अध्यापक 121-सुमेपु, सोनलाल बीएलओ पंचायत अध्यापक 121-सुमेपु, विनोदकुमार अध्यापक 121-सुमेपु, भृंतकुमार प्रधानमंत्री अध्यापक 117-सोजत, नरेन्द्र गरसिया पर्यवेक्षक व्याख्याता 119-माज़, नरेन्द्र गरसिया पर्यवेक्षक व्याख्याता 120-बाली, दिनेशकुमार प्रधानमंत्री अध्यापक 118-पाली, दिनेशकुमार पर्यवेक्षक व्याख्याता 119-माज़, नरेन्द्र गरसिया पर्यवेक्षक व्याख्याता 120-बाली, गोड़ बीएलओ अध्यापक 119-मारवाड़ जंक्शन, सैयद हितयाक

जागरूक टाइम्स संवाददाता

देसूरी। अखिल भारतीय श्रीमती सरगरा समाज महासभा दिल्ली के

राष्ट्रीय युवा अध्यक्ष संजय पड़वार के अंतर्गत नव राजस्थान प्रेस महिला

कुमा अध्यक्ष सुनीता ने आदेश जारी कर देसूरी नवीनी संसोध

अधिकारी पर्यावरण के लिए वितरित किया है। इस नियुक्ति के तहत सोनीष अधिकारी

के लिए वितरित किया गया। अंतर्गत अधिकारी नियुक्ति के तहत सोनीष अधिकारी

के लिए वितरित किया गया। अंतर्गत अधिकारी नियुक्ति के तहत सोनीष अधिकारी

के लिए वितरित किया गया। अंतर्गत अधिकारी नियुक्ति के तहत सोनीष अधिकारी

के लिए वितरित किया गया। अंतर्गत अधिकारी नियुक्ति के तहत सोनीष अधिकारी

के लिए वितरित किया गया। अंतर्गत अधिकारी नियुक्ति के तहत सोनीष अधिकारी

के लिए वितरित किया गया। अंतर्गत अधिकारी नियुक्ति के तहत सोनीष अधिकारी

के लिए वितरित किया गया। अंतर्गत अधिकारी नियुक्ति के तहत सोनीष अधिकारी

के लिए वितरित किया गया। अंतर्गत अधिकारी नियुक्ति के तहत सोनीष अधिकारी

के लिए वितरित किया गया। अंतर्गत अधिकारी नियुक्ति के तहत सोनीष अधिकारी

के लिए वितरित किया गया। अंतर्गत अधिकारी नियुक्ति के तहत सोनीष अधिकारी

के लिए वितरित किया गया। अंतर्गत अधिकारी नियुक्ति के तहत सोनीष अधिकारी

के लिए वितरित किया गया। अंतर्गत अधिकारी नियुक्ति के तहत सोनीष अधिकारी

के लिए वितरित किया गया। अंतर्गत अधिकारी नियुक्ति के तहत सोनीष अधिकारी

के लिए वितरित किया गया। अंतर्गत अधिकारी नियुक्ति के तहत सोनीष अधिकारी

के लिए वितरित किया गया। अंतर्गत अधिकारी नियुक्ति के तहत सोनीष अधिकारी

के लिए वितरित किया गया। अंतर्गत अधिकारी नियुक्ति के तहत सोनीष अधिकारी

के लिए वितरित किया गया। अंतर्गत अधिकारी नियुक्ति के तहत सोनीष अधिकारी

के लिए वितरित किया गया। अंतर्गत अधिकारी नियुक्ति के तहत सोनीष अधिकारी

के लिए वितरित किया गया। अंतर्गत अधिकारी नियुक्ति के तहत सोनीष अधिकारी

के लिए वितरित किया गया। अंतर्गत अधिकारी नियुक्ति के तहत सोनीष अधिकारी

के लिए वितरित किया गया। अंतर्गत अधिकारी नियुक्ति के तहत सोनीष अधिकारी

के लिए वितरित किया गया। अंतर्गत अधिकारी नियुक्ति के तहत सोनीष अधिकारी

के लिए वितरित किया गया। अंतर्गत अधिकारी नियुक्ति के तहत सोनीष अधिकारी

के लिए वितरित किया गया। अंतर्गत अधिकारी नियुक्ति के तहत सोनीष अधिकारी

के लिए वितरित किया गया। अंतर्गत अधिकारी नियुक्ति के तहत सोनीष अधिकारी

के लिए वितरित किया गया। अंतर्गत अधिकारी नियुक्ति के तहत सोनीष अधिकारी

के लिए वितरित किया गया। अंतर्गत अधिकारी नियुक्ति के तहत सोनीष अधिकारी

के लिए वितरित किया गया। अंतर्गत अधिकारी नियुक्ति के तहत सोनीष अधिकारी

के लिए वितरित किया गया। अंतर्गत अधिकारी नियुक्ति के तहत सोनीष अधिकारी

के लिए वितरित किया गया। अंतर्गत अधिकारी नियुक्ति के तहत सोनीष अधिकारी

के लिए वितरित किया गया। अंतर्गत अधिकारी नियुक्ति के तहत सोनीष अधिकारी

के लिए वितरित किया गया। अंतर्गत अधिकारी नियुक्ति के तहत सोनीष अधिकारी

के लिए वितरित किया गया। अंतर्गत अधिकारी नियुक्ति के तहत सोनीष अधिकारी

के लिए वितरित किया गया। अंतर्गत अधिकारी नियुक्ति के तहत सोनीष अधिकारी

के लिए वितरित किया गया। अंतर्गत अधिकारी नियुक्ति के तहत सोनीष अधिकारी

के लिए वितरित किया गया। अंतर्गत अधिकारी नियुक्ति के तहत सोनीष अधिकारी

के लिए वितरित किया गया। अंतर्गत अधिकारी नियुक्ति के तहत सोनीष अधिकारी

के लिए वितरित किया गया। अंतर्गत अधिकारी नियुक्ति के तहत सोनीष अधिकारी

के लिए वितरित किया गया। अंतर्गत अधिकारी नियुक्ति के तहत सोनीष अधिकारी

के लिए वितरित किया गया। अंतर्गत अधिकारी नियुक्ति के तहत सोनीष अधिकारी

